

**मोम पुं. (फा.)** 1. हल्के पीले या सफेद रंग का एक चिकना व कोमल पदार्थ जिससे शहद की मक्खियाँ अपना छत्ता बनाती हैं 2. वह पदार्थ जो विविध प्रकार के कीड़े फूलों के पराग आदि से एकत्र करते हैं 3. मिट्टी के तेल में से एक विशेष रासायनिक क्रिया द्वारा निकाला हुआ इसी प्रकार का एक पदार्थ जिससे मोमबत्तियाँ बनाई जाती हैं।

**मोमजामा पुं. (फा.)** मोम का रोगन चढ़ा हुआ कपड़ा जिस पर पानी का असर नहीं पड़ता।

**मोमती स्त्री. (देश.)** ममत्व, मेरी मति।

**मोमदिल वि. (फा.)** मोम की तरह कोमल हृदय वाला, दूसरों के कष्ट से शीघ्र द्रवित होने वाला।

**मोमना वि. (देश.)** मोम जैसा कोमल।

**मोमबत्ती स्त्री. (फा.)** 1. मोटे धागे पर मोम जमाकर बनायी जाने वाली बत्ती जिसे जलाकर प्रकाश प्राप्त किया जाता है 2. किसी ज्वलनशील पदार्थ की बनी हुई बत्ती।

**मोमिन पुं. (अर.)** 1. मुसलमान पुरुष 2. मुसलमान जुलाहों का एक भेद।

**मोमिया स्त्री. (अर.)** 1. एक विशेष प्रकार की ओषधि या मसाला लगाकर रखी हुई लाश 2. वह ओषधि, जिसे सड़ने से बचाने के लिए शव पर लगाते हैं।

**मोमियाई स्त्री. (फा.)** 1. मोम की तरह मुलायम काले रंग की एक चिकनी दवा, जो घाव भरने के लिए उपयुक्त मानी जाती है 2. एक तरह का नकली शिलाजीत।

**मोमी वि. (फा.)** 1. मोम की तरह का 2. मोम का बना हुआ 3. मोम की तरह कोमल 4. बहुत जल्दी द्रवीभूत होने वाला।

**मोयन पुं. (देश.)** पकवान को खस्ता व मुलायम बनाने के लिए गूँथे हुए आटे बेसन, मैदे आदि में मिलाया गया घी या तेल।

**मोयुम पुं. (देश.)** एक प्रकार की लता जो विशेष रूप से आसाम, सिक्किम और भूटान में पायी जाती है, इससे कपड़े रंगने के लिए एक विशेष तरह का चमकीला रंग तैयार किया जाता है।

**मोरंग पुं. (देश.)** 1. नेपाल देश का पूर्वी भाग जो कौशिकी नदी के पूर्व स्थित है 2. संस्कृत साहित्य के अनुसार किरात देश।

**मोर पुं. (तद्.)** 1. एक बहुत सुंदर, चार फुट तक लंबा, प्रसिद्ध पक्षी, जिसकी नीले रंग की लंबी गरदन नीली आँखों की तरह चंद्रिका युक्त लंबे पंख होते हैं तथा उसके सिर पर लंबी सी सुन्दर कलगी होती है जो मुकुट की सी शोभा बढ़ाती है। यह मेघ गर्जन सुनकर अपनी मधुर वाणी के साथ प्रकृति में अपने सुंदर पंख फैलाकर नृत्य करता है। मयूर, केकी 2. स्त्री. (देश.) सेना की अगली पंक्ति 3. सर्व. मेरा (अवधी) जैसे- जेहि विध होय नाथ हित मोरा (मानस)।

**मोरचंग पुं. (देश.)** मुँहचंग नामक एक प्रकार का बाजा।

**मोरचंदा पुं. (देश.)** मोरचंद्रिका।

**मोरचंद्रिका स्त्री. (तत्.)** मोर के पंख के छोर पर बनी वह सुंदर बूटी जो चंद्र के आकार की होती है।

**मोरचा पुं. (फा.)** 1. नमी आदि के कारण लोहे के ऊपर लगने वाली लाल या पीले रंग की मैल की परत जिससे लोहा खराब व कमजोर हो जाता है, जंग 2. पुं (फा.) किले की रक्षा के लिए उसके चारों ओर खोदी जाने वाली गहरी खाई, गड्ढा 3. किला या नगर की रक्षा के लिए निश्चित किया गया वह अनुकूल स्थान जहाँ से विपक्षी सेना पर आक्रमण किया जाता है 4. राज. सत्ता पक्ष से राजनैतिक मुकाबले के लिए विपक्षियों का मिलाकर बनाया गया एक संगठन, मोर्चा मुहा. 1. मोरचा जीतना- विजय पाना, शत्रु को परास्त कर उसके मोरचे पर अधिकार कर लेना; मोरचा मारना- मोरचा जीतना, विजयी होना; मोर्चा लेना- शत्रु के आक्रमण या प्रतिपक्ष के आरोपों का डटकर मुकाबला करना।